>

Title: Issue regarding appointment of Vice Chancellor in Central University in Jammu.

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर): महोदय, आप सभी जानते हैं कि जम्मू-कश्मीर में तीन क्षेत्र हैं - जम्मू, कश्मीर और लद्दाख। उन तीनों की अपनी-अपनी आइडेण्टिटी है, कल्चर है, रहन-सहन है, हर चीज अलग है। जब भी कोई चीज स्टेट को गवर्नमेंट आफ इंडिया से दी जाती है, तो अगर उसको सीरियसली ठीक तरीके से न देखा जाए, तीनों को ध्यान में न रखा जाए, तो वहां एकदम झगड़ा पैदा हो जाता है। झगड़ा पैदा करने के लिए कश्मीर में हुर्रियत वाले और दूसरे लोग बैठे हैं, जम्मू में हमारे बीजेपी के कुछ लोग बैठे हैं, इन दोनों को आदत है हमारा नुकसान करने की। आप जानते हैं कि पिछले दिनों जम्मू-कश्मीर तीन-चार महीने बंद रहा, बड़ा नुकसान हुआ। उसके बाद एक गलती हुई, यूनिवर्सिटी का मसला बना। एक टेक्नीकल यूनिवर्सिटी की बात हुई और दूसरी एक सेंट्रल यूनिवर्सिटी की बात हुई। जब सेन्ट्रल यूनिवर्सिटीज आई, दोनों गलती से कश्मीर में चली गयी। जब तैनात करने की बात हुई, तो उन्होंने वहां वीसी भी तैनात कर दिए। इससे जम्मू में एक मसला बन गया, बनना जरूरी भी था। उसके बाद जब भारत सरकार को यह बात ध्यान में आई, मैं कहना चाहता हूं कि हमेशा पहले ध्यान आना चाहिए, तो उन्होंने उसको सीरियसली लेते हुए, जम्मू में यूनिवर्सिटी दे दी। उसके लिए यहां से आर्डिनेंस जारी किया, पिछले दिनों यहां बिल लाए और वह पास हो गया। उसके बाद कश्मीर में वीसी बन गया, टेक्नीकल यूनिवर्सिटी में भी कश्मीर का ही वीसी बन गया। वहां टेक्नीकल यूनिवर्सिटी का बन गया, सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी का भी बन गया और जो वहां दूसरी यूनिवर्सिटी है, उसका भी वीसी वहां का ही आदमी बन गया। अच्छी बात है, बनना चाहिए, वे काबिल हैं। लेकिन जम्मू में नया पंगा खड़ा हो गया, कल जम्मू बंद था। मुझे इससे बहुत अफसोस होता है। सरकार को इस बात के लिए ध्यान रखना चाहिए कि यह मसला हम क्यों दूसरे लोगों के हाथ में देते हैं। जम्मू में जो सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी दी गयी है, उसमें अभी तक वीसी तय नहीं हुआ। कश्मीर से कन्याकुमारी तक के लोगों का इंटरव्यु हो रहा है। किसी भी स्टेट में, किसी भी जगह, पंजाब में यूनिवर्सिटी बनी, छत्तीसगढ़ में यूनिवर्सिटी बनी, यहां तक कि कश्मीर में बनी, तो अपने-अपने इलाकों से, वहीं के सीनियर प्रोफेसरों को वहां एडॉप्ट किया गया और वे वहां लग गए। यह बहुत अच्छी बात है। अब जम्मू को देखिए। वहां पहले से जो यूनिवर्सिटी है, उसके लिए भी दिल्ली से आदमी आया, वह बन गया। दूसरी एग्रीकल्चर वाली यूनिवर्सिटी के लिए भी वीसी बाहर से आया, इसी तरह वैष्णो देवी यूनिवर्सिटी के लिए भी आदमी बाहर से आया। इससे जम्मू के लोगों को कहने के लिए मसला बन गया है कि क्या जम्मू के लिए सारी दुनिया नालायक है। यह एक सेंसिटिव इश्यू है, इसीलिए मैं इस मामले को यहां उठा रहा हूं।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN:This is not the case in that University only. The situation in all the Central Universities is like that.

चौधरी लाल सिंह : मैं कहना चाहता हूं कि जैसा बाकी यूनिवर्सिटीज के साथ होता है, वैसा ही जम्मू के साथ होना चाहिए। जम्मू-कश्मीर के तीनों क्षेत्रों को यूनाइटेड रहने की जरूरत है। इनमें किसी किस्म का झगड़ा नहीं होना चाहिए। मैं चाहता हूं कि जम्मू-कश्मीर आगे बढ़ें, लेकिन सीरियसनेस रहनी चाहिए। सरकार जब भी कोई चीज देती है, तो सीरियसली सोचकर करे। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Okay, it is enough. You have to make your point only in two minutes. This is not a debate. You have to say what you want the Government to do. But you are discussing the issue now.

चौधरी लाल सिंह : मेरी आपके माध्यम से सरकार से विनती है कि वहां पर जम्मू का ही व्यक्ति लगना चाहिए।